

प्रेषक,

एन०के०जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक उद्योग,
उद्योग निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 17 मार्च, 2009

विषय: वर्ष 2008-09 में काशीपुर जसपुर की रूग्ण कताई मिलों की पुर्नस्थापना एवं वी०आर०एस० योजना के अधीन धनराशि स्वीकृत करने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल देहरादून के पत्र संख्या: 16227 एम.डी. / सिडकुल / 2009 दिनांक 23 मार्च 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु काशीपुर जसपुर की रूग्ण कताई मिलों की पुर्नस्थापना एवं वी०आर०एस० योजना हेतु **रूपये 1,00,00,000/- (रु० एक करोड़ मात्र)** की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है, कि उक्त योजनान्तर्गत देयकों के भुगतान करने हेतु उक्त धनराशि का आहरण कर प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम लि०, देहरादून को हस्तान्तरित की जायेगी।

3- व्यय उसी प्रयोजन में किया जाय जिस प्रयोजन के लिये धनराशि अवमुक्त की जा रही है। व्यय करते समय मितव्ययता का भी ध्यान रखा जाय तथा समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों में निहित निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि को सिडकुल के पी०एल०ए० में रखा जायेगा यदि सिडकुल का पी०एल०ए० नहीं है तो उस स्थिति में इसे बैंक खाते में रखा जायेगा तथा इससे अर्जित समस्त ब्याज की धनराशि को वित्त विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार राजकोष में जमा किया जायेगा। बैंक में धनराशि के आहरण की सूचना समय-समय पर शासन को भी उपलब्ध करायी जायेगी।

5- वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के साथ-साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा, यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है, तो उस स्थिति में अवशेष धनराशि का समर्पण शासन को किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय अनुदान संख्या-23 के लेखाशीर्षक-2851 ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 05-काशीपुर जसपुर की रूग्ण कताई मिलों की पुनर्स्थापना एवं वी0आर0एस0 योजना-00, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 683/XXVII(2)/2009, दिनांक: 26 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।


भवदीय,

(एन0के0जोशी)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 656/VII-II-09/114-उद्योग/2006, तदुद्दिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक अवस्थापना विकास निगम लि0, देहरादून।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय प्ररिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,


(एन0के0जोशी)
अपर सचिव।